अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1, अंक -1, रिक्तस्थान - 1, अंक -1,लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक -2)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. जर्मनी को एक स्वतंत्र राज्य घोषित किया गया-

(अ) 1817 में (ब) 1848 में

(स) 1871 में (द) 1870 में (स)

2. 'यंग इटली' की स्थापना किसने की थी?

(अ) बिस्मार्क (ब) काबूर

(स) गैरीबाल्डी (द) ज्यूसेपी मेत्सिनी (द)

3. जर्मेनिया किस राष्ट्र का रूपक बन गई थी?

(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस

(स) जर्मनी (द) रूस (स)

4. उगते सूर्य की किरणें निम्न में से किसका प्रतीक है-

(अ) आजादी मिलना (ब) बहादुरी

(स) शांति

(द) एक नये युग का सुत्रपात (द)

5. 'जब फ्रांस छींकता है, तो बाकी यूरोप को सर्दी-जुकाम हो जाता है।' यह किसने कहा?

(अ) मेटिसनी (ब) मैटरनिख

(स) बिस्मार्क (द) गैरीबाल्डी (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. जर्मनी में राष्ट्र-राज्य के निर्माण की प्रक्रिया का...... जनक कौन था?

उत्तर- ऑटो वॉन बिस्मार्क

2. वियना सम्मेलन की मेजबानी (1815) में किसने .... ने की थी-

उत्तर- मेटर निख ने

3. यूनाइटेड किंग्डम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन सन् .... में हुआ?

उत्तर- 1707

4. राष्ट्रवाद की पहली अभिव्यक्ति सन् .... में फ्रांसीसी क्रांति के साथ हुई।

उत्तर- 1789

5. ज्यूसेपे मेत्सिनी .... था।

उत्तर- इटली का क्रांतिकारी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. नेपोलियन द्वारा प्रारम्भ की गई नागरिक संहिता 1804 की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

उत्तर- 1. नागरिक संहिता 1804 ने जन्माधारित विशेषाधिकारों को समाप्त किया। कानून के समक्ष समानता और सम्पत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया गया।

2. शहरों में कारीगरों की श्रेणी संघों के नियंत्रण से मुक्त कर दिया गया।

3. यातायात व संचार व्यवस्था को सुधारा गया।

4. सामन्ती व्यवस्था को खत्म किया गया।

2. वियना संधि की कोई दो विशेषताएँ बताए ।

उत्तर- 1. इस संधि ने यूरोप में एक नई रुढ़िवादी व्यवस्था स्थापित कर दी जिसमें पारम्परिक संस्थात्मों - चर्च, सामाजिक भेदभाव, राजतंत्र और परिवार को बनाए रखा गया।

2. इस संधि के तहत बुर्बो राजवंश को शासन करने का पुन: अधिकार दे दिया गया।

3. ग्रिम बन्धु कौन थे? उन्होंने जर्मन राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में क्या योगदान दिया।

उत्तर- ग्रिम बन्धु (जैकब ग्रिम और विल्हेल्म गिम्र) जर्मनी के निवासीय उन्होंने अनेक पुरानी लोककथाएँ इकट्ठी कीं। उनका विश्वास था कि कि उन्होंने जो लोककथाएँ इकट्ठी की, वे बच्चों और बड़ों में समान रूप से पंसद की जाती थी।

4. रूमानीवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- रुमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आन्दोलन था, जों. एक विशेष प्रकार की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था। रुमानीबाद भावनाओं, अन्तर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर देता था। इसने एक साझा सामूहिक विरासत की अनुभूति और भासा सांस्कृतिक अतीत को राष्ट्र का आधार बनाने पर बल दिया।

शैक्षणिक मिशन - 100

5. **वियना संधि के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।**

उत्तर- 1815 ई. की वियना संधि के प्रमुख उद्देश्य-

1. उन सभी बदलावों को खत्म करना जो नेपोलियाई युद्धों के दौरान हुए थे।

2. भविष्य में फ्रांस की सीमाओं के विस्तार को रोकना।

3. नेपोलियन द्वारा बर्खास्त किये गए राजतंत्रों की बहाली करना।

4. यूरोप में एक नयी रूढ़िवादी व्यवस्था कायम करना।

6. **रूढीवाद क्या हैं?**

उत्तर- **रुढीवाद** - ऐसा राजनीतिक दर्शन जो परम्परा, स्थापित संस्थानों और रिवाजों पर जोर देता है और तेज बदलावों की बजाय क्रमिक और धीरे-2 विकास को प्राथमिकता देता है, रुढ़िवाद कहलाता है।

7. **जॉलवेराइन के विषय में आप क्या जानते हैं?**

उत्तर- सन् 1834 ई में प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ स्थापित किया गया। जिसे जॉलवेराइन के नाम से जाना गया। जॉलवेराइन में अंधिकांश जर्मन राज्य सम्मिलित हो गए। इस संघ ने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया तथा मुद्राओं की संख्या घटाकर दो कर दी जो उससे पहले तीस से भी ऊपर थी।

जॉलवेराइन ने आर्थिक राष्ट्रवाद के आन्दोलन को जन्म दिया जिसने इस समय में पनप रही व्यापक राष्ट्रवादी भावनाओं को मजबूत बनाया।

8. **इटली के एकीकरण में कावूर की भूमिका को कीजिए।**

उत्तर- काबूर ने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने वाले आन्दोलन का नेतृत्व किया। काबूर ने इटली को एक राष्ट्रीय स्वरूप देने के लिए कूटनीतिक संधियों का सहारा लिया। उसने फ्रांस के साथ संधि की तथा ऑस्ट्रियाई साम्राज्य को पराजित किया जो इटली के उत्तरी हिस्से में एक विस्तृत क्षेत्र पर शासन कर रहा था। इससे उसे इटली को एकीकृत करने के लिए आगे रास्ता, तैयार मिला।

9. **औटो वॉन बिस्मार्क को जर्मनी के एकीकरण का जनक क्यों कहा गया था?**

उत्तर- ऑटो वॉन बिस्मार्क को जर्मनी के एकीकरण का जनक कहा गया क्योंकि उसने 1848 में जर्मनी के एकीकरण के नेतृत्व को संभाला तथा अपनी 'रक्त और लौह' की नीति के द्वारा उसे पूरा किया।

शेखावाटी मिशन - 100